

# Key to Navjeevan Practice Book

Standard  
**5**

Teacher's Copy

मराठी सुलभभारती

  
**NAVJEEVAN**  
**PUBLICATIONS PVT. LTD.**  
MUMBAI ★ PUNE

## अनुक्रमणिका

| अ. क्र. | धड्याचे नाव            | पृष्ठ क्र. | अ. क्र. | धड्याचे नाव                  | पृष्ठ क्र. |
|---------|------------------------|------------|---------|------------------------------|------------|
| १.      | नाच रे मोरा            | 3          | १९.     | अनुभव - २                    | 26         |
| २.      | हत्तीचे चातुर्य        | 3          | २०.     | गमतीदार पत्र                 | 28         |
| ३.      | खेळूया शब्दांशी        | 5          | २१.     | छोटेसे बहीणभाऊ               | 28         |
| ४.      | ही पिसे कोणाची ?       | 9          | २२.     | वाचूया. लिहूया.              | 29         |
| ५.      | डराव डराव !            | 10         | २३.     | प्रामाणिक इस्त्रीवाला        | 31         |
| ६.      | ऐकूया. खेळूया.         | 11         | २४.     | ऐका. पाहा. करा.              | 32         |
| ७.      | खेळत खेळत वाचूया !     | 11         | २५.     | मालतीची चतुराई               | 33         |
| ८.      | कोणापासून काय घ्यावे ? | 12         | २६.     | पतंग                         | 35         |
| ९.      | सिंह आणि बेडूक         | 13         | २७.     | महर्षी विठ्ठल<br>रामजी शिंदे | 36         |
| १०.     | बैलपोळा                | 14         | २८.     | फुलपाखरू आणि<br>मधमाशी       | 37         |
| ११.     | इंधनबचत                | 15         |         |                              |            |
| १२.     | बोलावे कसे ?           | 16         |         |                              |            |
| १३.     | अनुभव - १              | 17         |         |                              |            |
| १४.     | चित्रसंदेश             | 19         |         |                              |            |
| १५.     | नदीचे गाणे             | 21         |         |                              |            |
| १६.     | मी नदी बोलते....       | 21         |         |                              |            |
| १७.     | आमची सहल               | 23         |         |                              |            |
| १८.     | पैशांचे व्यवहार        | 24         |         |                              |            |


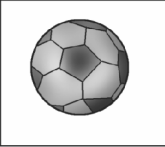
## १. नाच रे मोरा

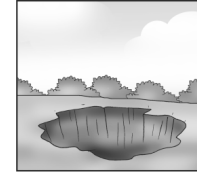
### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) मोर आंब्याच्या वनात नाचत आहे.  
 (२) वारा ढगांशी झुंजत आहे.  
 (३) टाळी वीज देत आहे.  
 (४) झाडांची इरली भिजली आहेत.  
 (५) पावसाचे थेंब तळ्यात नाचत आहेत.  
 (६) पावसाची रिमझिम थांबल्यावर मुलीची व मोराची जोडी जमली.  
 (७) पिसारा फुलवून मोर नाचत आहे.  
 (८) सात रंगी कमान आभाळात दिसत आहे.  
 (९) निळा सोंगडी मोराला म्हटले आहे.
- प्र.२. (१) वारा (२) इरली (३) जोडी (४) कमान (५) वीज
- प्र.३. (१) मयूर (२) मेघ, जलद (३) दामिनी, विद्युल्लता  
 (४) वृक्ष, तरु (५) वर्षा, पर्जन्य (६) पर्ण  
 (७) रेषा (८) आकाश, नभ, गगन, अंबर  
 (९) वात, वायू (१०) जंगल, रान, कानन, विपिन
- प्र.४. (१) पिंजला (२) टाळी (३) पिसारा (४) इरली  
 (५) गाऊ (६) वाजती (७) पानात (८) दोघांत  
 (९) कमान (१०) जमली

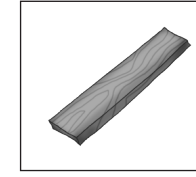
## २. हत्तीचे चातुर्य

### स्वाध्याय

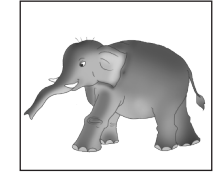
- प्र.१.  (१) मुले  (२) फुटबॉल  (३) ससे



(४) खड्डा



(५) फळी

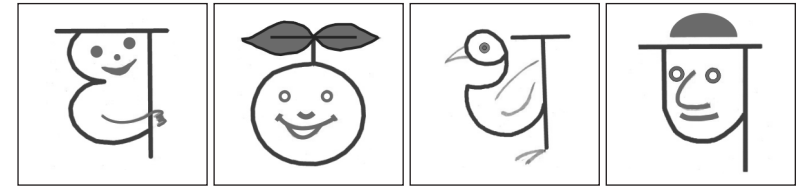


(६) हत्ती

- प्र.२. (१) पहिल्या चित्रात दोन मुलगे व एक मुलगी फुटबॉल खेळताना दिसत आहेत. तेथेच थोड्या अंतरावरून ३ ससे खेळ पाहताना दिसत आहेत.  
 (२) दुसऱ्या चित्रात मुले खेळून परत जाताना दिसत आहेत व त्यानंतर फुटबॉलचा ताबा सशांनी घेतला असून ते फुटबॉल खेळत आहेत.  
 (३) तिसऱ्या चित्रात खेळणाऱ्या सशांचा फुटबॉल खड्ड्यात पडल्यावर ससे त्या खड्ड्यात वाकून बघत आहेत.  
 (४) चौथ्या चित्रात खड्ड्यात पडलेला फुटबॉल ससे फळीच्या साहाय्याने बाहेर काढण्याचा प्रयत्न करताना दिसत आहेत.  
 (५) तेवढ्यात तेथे एक हत्ती येतो व आपल्या सोंडेतून पाणी आणून ते खड्ड्यात टाकून फुटबॉल बाहेर काढण्याचा प्रयत्न करतो. ससे हे सर्व पाहत आहेत.  
 (६) सहावी चौकट पूर्णपणे कोरी आहे.
- प्र.३. गोष्टीत शेवटी हत्ती सशांच्या मदतीला येतो व आपल्या सोंडेतून पाणी आणून खड्डा पूर्णपणे पाण्याने भरतो मग आपोआपच खड्ड्यात पडलेला फुटबॉल पाण्यावर तरंगत वर येतो. फुटबॉल वर आल्यावर ससे खुश होतात व ते हत्तीचे आभार मानतात.

- प्र.४. (१) ससे (२) हत्ती

प्र.५.



विद्यार्थ्यांनी इतर अक्षरांपासून वेगळी चित्रे काढण्याचा प्रयत्न करा.

प्र.६.

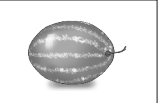







|          |          |
|----------|----------|
| वे       | मां      |
| ब ग ला   | गा ज र   |
| ला       | र        |
| म        | क        |
| त ग र    | भ ड क    |
| र        | क        |
| सा       | वा       |
| क मा न   | फु टा णा |
| न        | णा       |
| आ        | फा       |
| प्र का श | तु ट के  |
| श        | के       |

### ३. खेळूया शब्दांशी

#### स्वाध्याय

वाचा: विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

प्र.१.

|   |   |   |  |
|---|---|---|--|
|  |  |  |  |
| ट - टरबूज   | अ - अननस  | च - चमचा  | त-तराजू  |
|  |  |  |  |
| आ-आवळा  | द - दरवाजा  | प - पतंग  | झ - झबले   |

|   |   |   |   |
|---|---|---|---|
|     |     |     |     |
| न - नळ  | ढ - ढग  | ग - गवत   | इ - इमारत   |
|    |    |    |    |
| ज - जहाज  | ध - धनुष्य  | फ - फणस   | घ - घर  |
|    |    |    |    |
| ब - बदक   | ई- ईडलिंगू  | छ - छत्री   | य - यज्ञ  |
|    |    |    |    |
| स - ससा   | व - वड  | ज्ञ - संत ज्ञानेश्वर  | अं- अंगठा   |
|    |    |    |    |
| व- वजन  | ड - डमरू  | ल - लसूण  | उ - उखळ   |
|    |    |    |    |
| भ - भटजी  | क - कमळ   | ह - हरिण  | ए - एडका  |
|   |   |   |   |
| थ-थवा   | र-रवी   | ओ - ओठ  | श - शहामृग  |
|  |  |  |  |
| क्ष - क्षत्रिय  | ऊ - ऊस  | ऐ-ऐरण   | औ - औषध   |
|  |  |   |   |
| म-मगर   | ठ-ठसा   |   |   |

|                             |                             |
|-----------------------------|-----------------------------|
| प्र.२. अ - अजगर, अजय        | आ - आई, आभाळ                |
| इ - इनाम, इडली              | ई - ईडलिंबू, ईश्वर          |
| उ - उज्ज्वल, उदबत्ती, उखळ   | ऊ - ऊन, ऊष्म, ऊस            |
| ए - एकूण, एकावन्न           | ऐ - ऐरावत, ऐकणे             |
| ओ - ओठ, ओढणी                | औ - औत, औदुंबर              |
| अं - अंबर, अंकुश            | क - कचरा, कडू, करवत         |
| ख - खग, खडक                 | ग - गजरा, गजानन             |
| घ - घरटे, घसा               | च - चटई, चणा, चमचा          |
| छ - छपाई, छडी, छत्री        | ज - जप, जखम, जहाज           |
| झ - झगा, झरा                | ट - टक्कर, टपाल             |
| ठ - ठसा, ठग                 | ड - डफ, डबा                 |
| ढ - ढग, ढब                  | त - तगर, तराजू              |
| थ - थर, थकवा, थवा           | द - दही, दसरा               |
| ध - धन, धरती                | न - नयन, नभ                 |
| प - पपई, पगार               | फ - फळा, फळ, फणस            |
| ब - बकरी, बत्ती, बदक        | भ - भटजी, भजन               |
| म - मटार, मध                | य - यशोदा, यम               |
| र - रमा, रक्त, रस           | ल - लढाई, लसूण              |
| व - वचन, वकील               | श - शरद, शब्द               |
| ष - षटक, षटकार, षटकोन       | स - सण, समई                 |
| ह - हमाल, हळद               | क्ष - क्षत्रिय, क्षण, क्षमा |
| ज्ञ - ज्ञान, संत ज्ञानेश्वर |                             |

प्र.३.



फळा



बाळ



चिपळी



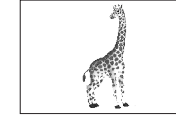
मुलगी



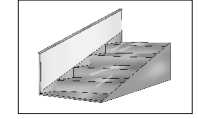
गुलाब



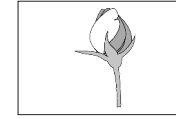
घड्याळ



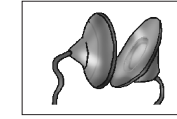
जिराफ



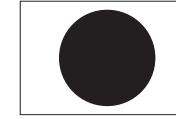
शिडी



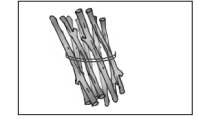
कळी



झांज



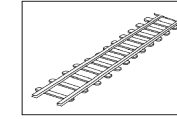
काळा



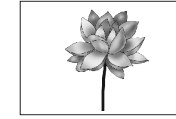
मोळी



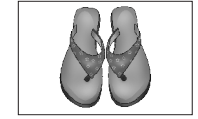
कुऱ्हाड



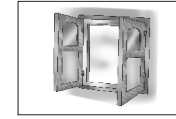
रुळ



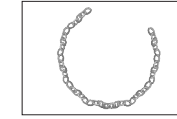
कमळ



चप्पल



खिडकी



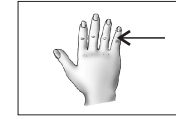
साखळी



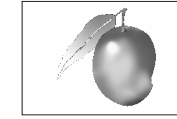
सायकल



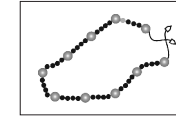
घर



करंगळी



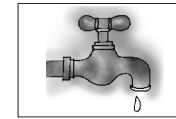
आंबा



माळ



केळी



नळ



झोळी



झाड



## ४. ही पिसे कोणाची ?

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) मिनूचे घर शेतात होते.  
 (२) पिसे पाहून मिनूच्या मनात विचार आला, की ही पिसे नक्कीच कोंबडीची असणार.  
 (३) मिनू कोंबडी, कबुतर, मोर व बदक यांना भेटली.  
 (४) मिनूला बदकाचा पत्ता मोराने सांगितला  
 (५) पिसे बदकाची होती.  
 (६) कोंबडी खुराड्यात जाऊन बसली.  
 (७) कबुतर पांढऱ्या, करड्या रंगाचे होते.  
 (८) मोराचा पिसारा खूप मोहक दिसत होता.  
 (९) मोराची चाल ऐटदार होती.  
 (१०) बदक झाडीतून बाहेर आले.

- प्र.२. (१) कोंबडी (२) झाडी (३) घरी (४) जोडली  
 (५) कौतुक (६) मोर

- प्र.३. (१) (अ) पिसे कोणाची आहेत, हे माहीत करून घ्यायचे होते. ☒  
 (२) (आ) पळतच नदीवर आली. ☒  
 (३) (आ) मोराची पिसे रंगीबेरंगी लांबसडक होती. ☒  
 (४) (अ) मिनू बदकाची पिसे देण्यासाठी इतक्या दूर आली होती. ☒

- प्र.४. (१) - (आ) (२) - (इ) (३) - (अ)

- प्र.५. घर - घरापासून गाव - गावापासून पाय - पायापासून  
 घर - घराजवळ गाव - गावाजवळ पाय - पायाजवळ  
 खुराडे - खुराड्यात तळे - तळ्यात घरटे - घरट्यात

- प्र.६. शाळेत/वर्गात एखादी वस्तू सापडली तर आम्ही वर्गातील विद्यार्थ्यांपैकी ती कोणाची आहे का? असे विचारतो आणि ज्याची असेल त्याला देतो. कोणाचीही नसेल तर वर्गशिक्षकांना देतो आणि त्यांना सांगतो की, शाळेत/वर्गात आम्हांला ही वस्तू सापडली आहे.

- प्र.७. चिमणी - चिमणीच्या पोटाच्या भागावर पांढऱ्या रंगाची पिसे असून पाठीवर तांबूस, मातीच्या किंवा तपकिरी रंगांची छोटी पिसे असतात.

- कावळा - कावळाची पिसे राखाडी, काळ्या रंगाची असून मध्यम आकाराची असतात.

- पोपट - पोपटाची पिसे मध्यम आकाराची असून हिरव्या रंगाची असतात. सर्व पक्ष्यांना त्यांच्या पिसांचा उपयोग शरीर रक्षणासाठी होतो. उडताना त्यांना या पिसांच्या पंखांचाच उपयोग होतो आणि ते सहजरीत्या उडू शकतात.

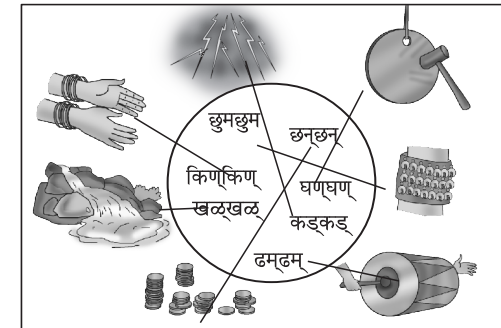
## ५. डराव डराव !

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) 'डराव डराव' आवाज बेडूक करतो.  
 (२) धो धो पाऊस पडल्यामुळे तलाव भरला.  
 (३) बेडकाचे डोळे बटबटीत आहेत.  
 (४) धो धो पाऊस सुरू झाल्यानंतर मुलीने पाण्यात नाव सोडायला सुरुवात केली.  
 (५) मुलीने बेडकाला आपले गाव गाठण्यासाठी छत्री व नाव दिली.  
 (६) धो धो पाऊस पडून तलाव तुडुंब भरल्यावर बेडकाची डराव डराव सुरू झाली.

- प्र.२. (१) - (आ) (२) - (इ) (३) - (ई) (४) - (अ)

प्र.३.



प्र.४. पाण्यातून प्रवास करण्यासाठी जहाज, नाव, तरंग नौका, शिडाची होडी, पडाव  
इत्यादी साधने वापरतात.

प्र.५. पावसात भिजू नये यासाठी आम्ही छत्री, रेनकोट, घोंगडे, इरले इत्यादी गोष्टी  
वापरतो.

प्र.६. (१) सळसळ ★(२) फडफड (३) चुरचुर  
(४) झणझण (५) धबधब (६) टपटप

प्र.७. (१) गुटर ५ गुँ (२) चिवचिव (३) मियाँमियाँ  
(४) कुहूकुहू (५) क्वॅकक्वॅक (६) कावकाव

प्र.८. (१) (i) बाण (ii) किनारा, काठ  
(२) (i) शिक्षा (ii) शरीराचा अवयव  
(३) (i) आवाज (ii) छंद  
(४) (i) शरीराचा अवयव (ii) पाठांतर  
(५) (i) फूल (ii) चांगले मन

प्र.९. (१) वर्षा, पर्जन्य (२) नयन, नेत्र (३) होडी  
(४) ग्राम, खेडे (५) जलाशय

प्र.८. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

## ६. ऐकूया. खेळूया.

स्वाध्याय

विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

## ७. खेळत खेळत वाचूया !

स्वाध्याय

प्र.१. (१) ☒ (२) ☒ (३) ☒ (४) ☒ (५) ☒  
(६) ☒ (७) ☒ (८) ☒ (९) ☒ (१०) ☒

## ८. कोणापासून काय घ्यावे ?

स्वाध्याय

प्र.१. (१) झाडापासून घेऊ सावली. (२) प्रभातकाळी एक शिकूया.  
मातीपासून जगणे. जगवित जीव जगूया.

(३) गडगडणाच्या ढगापासुनी (४) सूर्यापासून रंग घेऊया  
घेऊ जीवनगाणे. चंद्रापासून शांती

(५) फुलापासुनी गंध घेऊया. (६) संध्यासमयी एक होउनी  
कोकिळाकडून गाणे. सारे मित्र हसूया.

प्र.२. (१) सूर्य - रंग (२) चंद्र - शांती (३) तारा - कांती  
(४) फूल - गंध (५) कोकीळ - गाणे (६) झरा - नवे तराणे  
(७) झाड - सावली (८) माती - जगणे (९) ढग - जीवनगाणे

प्र.३. (१) संध्यासमयी एक होऊन सारे मित्र हसूया.  
(२) फुलापासून आपण गंध घेऊया.  
(३) चमचमणाच्या ताऱ्यापासून आपण दिव्य कांती घेऊया.  
(४) सूर्याकडून आपण रंग घेऊया.

प्र.४. छमछम, घणघण, ढमढम, फडफड, टकटक, मटमट,  
चटचट, लटलट, पकपक, कडकड

प्र.५. (१) दिनकर, भास्कर (२) शशी (३) पुष्प, सुमन  
(४) वास (५) वृक्ष, तरु (६) छाया  
(७) मेघ (८) सखा, सोबता  
(९) सकाळ, पहाट (१०) मृदा (११) तेज  
(१२) गीत

प्र.६. (१) अशांती (२) जुने (३) शत्रू  
(४) रडणे (५) मरणे (६) ऊन

## ९. सिंह आणि बेडूक

### स्वाध्याय

प्र.१. सिंह, बेडूक या प्राण्यांची नावे गोष्टीत आली आहेत.

प्र.२. सिंह व बेडूक यांमध्ये सिंह हुशार आहे.

प्र.३. (१) सिंह जंगलात राहायचा.


(२) नव्या जंगलात प्राणी, पक्षी व बेडूक राहत होते.


(३) पुढारी बेडकाने मोठा आवाज काढला.


(४) सिंहाने बेडकाच्या डोक्यावर पाय दिला.

प्र.४. (१) वाघाची - डरकाळी (२) हत्तीचा - चीत्कार  
(३) गार्डचे - हंबरणे (४) बकरीचे - बें - बें  
(५) घोड्याचे - खिंकाळणे (६) कुत्र्याचे - भुंकणे  
(७) कोंबड्याचे - आरवणे (८) मांजराचे - म्याँव म्याँव

प्र.५. (१) सिंह (२) बेडूकही (३) बेडकाने  
(४) गर्जना (५) पाय

प्र.६.  (१) साफसफाई करूया, रोगराई थांबवूया!  
(२) स्वच्छता असे जेथे, आरोग्य वसे तेथे!  
(३) कचरा कुंडीचा वापर करू, सुंदर परिसर निर्माण करू!

 (१) झाडे लावूया, झाडे जगवूया!  
(२) झाडे लावा, पर्यावरण वाचवा!  
(३) झाडे लावूया, निसर्गाचे मित्र बनूया!

 (१) ध्वनी प्रदूषण थांबवा, आयुष्य वाढवा!  
(२) ध्वनी प्रदूषण थांबवूया, चांगले नागरिक बनूया!

## १०. बैलपोळा

### स्वाध्याय

प्र.१. (१) बैलांच्या सणाला पोळा म्हणतात.

(२) अंगावर मखमली झुली घालून, शिंगे रंगवून, कपाळावर रेशमी बाशिंग बांधून बैलांना सजवले आहे.

(३) ढवळ्या-पवळ्या ही बैलांची नावे आहेत..

(४) बैलपोळ्याच्या दिवशी बैलांना पुरणपोळी खाऊ घालतात.

(५) गोठ्यातील बैलांना न्हाऊ घातले.

(६) पुरणपोळी खाऊन बैल नुसता आराम करणार आहेत.

(७) सजले धजलेले बैल गावभर मिरवू लागले.

(८) बैलांच्या कपाळी रेशमी बाशिंगे बांधली.

प्र.२. ढवळ्या - पवळ्या कपाळी - पुरणपोळी  
शिंगे - बाशिंगे कामधाम - आराम  
सजले - धजले

प्र.३. (१) तबेला (२) गुहा (३) झाड (४) हत्तीखाना  
(५) पाणी (६) पाणी (७) वारूळ (८) खुराडे  
(९) घरटे (१०) मधाचे पोळे (११) जाळे

प्र.४. (१) पोळी, पोर, रण, पुरण  
(२) भर, वर, गाव, रव, भरव, गार

प्र.५. (१) शेजारीपाजारी (२) आरामबिराम (३) दिवसरात्र  
(४) घरदार (५) काबाडकष्ट

प्र.६. (१) तोंडभर - रंगपंचमीच्या दिवशी तोंडभर रंग लावतात.  
(२) पिशवी - आईने पिशवीभर भाजी घेतली.  
(३) हातभर - लग्नाला मुलीने हातभर मेंदी काढली.  
(४) घरभर - मुलांनी घरभर खेळण्यांचा पसारा केला.

प्र.७.

### माझा आवडता प्राणी - कुत्रा

अनेक प्राण्यांमध्ये कुत्रा हा माझा आवडता प्राणी आहे. कुत्रा प्रामाणिक असतो. कुत्रा हा एक पाळीव प्राणी आहे. माझ्या घरी एक कुत्रा आहे. त्याचे नाव 'फायटर' आहे. तो आमच्या सगळ्या आज्ञा पाळतो. तो आमच्या घराचे रक्षण करतो. तो रंगाने पांढरा आहे. त्याचे डोळे पाणीदार आहेत. शेंपूट लहान आहे, पण ती हलवत ऐटीत चालतो. मी किंवा आई त्याला खायला दूध - चपाती देतो. आठवड्यातून एकदा मटणही खायला देतो. अनोळखी माणूस घरी आला की, 'फायटर' त्याच्यावर भुंकतो. कधी कधी 'फायटर' माझ्याबरोबर खेळतो. फायटरचे मी खूप लाड करतो. फायटर मला अत्यंत प्रिय आहे.

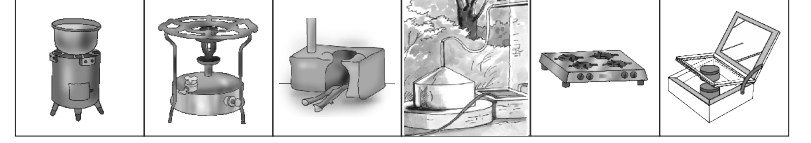
- प्र.८. (१) पारिजातक (२) जाई (३) जुई (४) गुलछडी  
(५) चाफा (६) झेंडू (७) सदाफुली (८) गुलाब  
(९) अबोली (१०) कमळ (११) शेवंती (१२) मोगरा  
(१३) जास्वंद

## ११. इंधनबचत

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) हा संवाद स्वयंपाकघरात झाला.  
(२) संवादात दिनू व फातिमा अशी दोन पात्रे आहेत.  
(३) दिनूला इंधनबचतीचे महत्त्व पटले.  
(४) दिनू स्वयंपाकघरात आईसाठी चहा करत होता.  
(५) दिनूच्या वर्गमैत्रिणीचे नाव फातिमा होते.  
(६) दिनूला एक कप चहा करायचा होता.
- प्र.२. इंधन बचतीचे आणखी काही मार्ग  
(१) गरज नसताना पंखे, लाईट बंद करावी.  
(२) स्वयंपाक बनवताना प्रेशर कुकरचा वापर करावा.  
(३) वाहनांचा वेग मर्यादित असावा.  
(४) गॅसवर कोणताही पदार्थ बनवण्यापूर्वी आवश्यक वस्तूंची आधीच तयारी करून ठेवल्याने गॅसची बचत होईल.

प्र.३.



कोळसा, रॉकेल, लाकडे, शेण, गॅस, सूर्यप्रकाश  
यांपैकी सौरपेटी हे सूर्यप्रकाशावर (सौरऊर्जेवर) चालणारे साधन वापरल्यास सर्वात जास्त इंधनबचत होते.

## १२. बोलावे कसे ?

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) अशा वेळी स्वतः उभे राहून त्या वृद्ध व्यक्तीला बसण्यासाठी जागा देऊ.  
(२) अशा वेळी स्वतः उभे राहून त्या काकूंना बसण्यासाठी जागा देऊ.  
(३) त्या व्यक्तीशी चांगल्याप्रकारे संवाद साधून त्यांच्याविषयी सगळी माहिती विचारून, त्यांच्याही सगळ्या प्रश्नांची उत्तरे नम्रपणे देऊ.  
(४) त्या व्यक्तीची अडचण समजून त्या व्यक्तीला योग्य पत्ता सांगून त्याला मदत करू.  
(५) त्या मुलाला शाळेत जाताना व परत येताना बरोबर घेऊन जाऊ. त्याची बॅगही घेऊन त्याला मदत करू.
- प्र.२. तक्त्यात काही व्यक्ती, वस्तू, ठिकाण, वाहन यांची नावे आली आहेत व त्याचबरोबर अंगी असणारा गुण पण सांगितला आहे.  
यावरून व्यक्ती, वस्तू, गुण यांच्या नावांना 'नाम' असे म्हणतात.
- प्र.३. (१) हॅलो काका, मी संजू बोलतोय.  
(२) आज्ञी, तुम्ही या जागेवर बसा. नाम - जागा  
(३) दिनेश हा गुणी मुलगा आहे.
- प्र.४. (१) विजय (२) वही, पुस्तक, पेन
- प्र.५. (१) माया - मायाळू (२) कष्ट - कष्टाळू  
(३) गोड - गोडवा (४) लहान - लहानपण  
(५) चपळ - चपळाई / चपळता (६) मोठे - मोठेपण
- प्र.६. विद्यार्थ्यांनी स्वतः चर्चा करा.

## १३. अनुभव - १

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) मारियाचे आईबाबा लग्नाला गेले होते म्हणून घराला कुलूप होते.  
 (२) अचानक खिडक्यांची दारे एकमेकांवर धाड्धाड आपटू लागली म्हणून मारियाने दारे, खिडक्या बंद केल्या.  
 (३) पाऊस थांबल्यावर पानांआड लपलेले पक्षी बाहेर आले.  
 (४) खूप वेळ वाट पाहून कंटाळल्यामुळे मारियाला आई दिसताच ती तिला बिलगली.  
 (५) हातपाय धुतल्यावर मारिया घरात खाऊ शोधत होती.  
 (६) खुर्चीत बसल्यावर मारियाला पावसावरच्या कविता आठवू लागल्या.  
 (७) मारियाने पावसाचा आवाज कमी झाल्यावर खिडकी उघडली.

प्र.२. (१) - (इ), (२) - (ई), (३) - (अ), (४) - (आ)

प्र.३. (१) टपटप्, फडफड, हळूहळू, कडकड, गडगड, खळखळ  
 (२) फडफडाट, खळखळाट, तडतडाट, ढम्ढम्, टकटक

प्र.४. (अ) घड्याळ (आ) खिडक्या (इ) हळूहळू  
 (ई) गुणगुणू (उ) रिमझिम (ऊ) खळखळाट

प्र.५. (१) पाऊस बंद झाला. (२) मारिया जलद दाराकडे गेली.

प्र.६. (१) उतरणे (२) विसरणे (३) सखल  
 (४) आत (५) अस्वच्छ (६) जाणे

प्र.७. एकदा मी शाळा सुटल्यानंतर एकटाच घरी परतत होतो. अचानक आकाशात काळे ढग जमा झाले. विजा कडकडायला लागल्या. ढगांचा गडगडाटही सुरू झाला. मी खूप घाबरलो. रस्त्यात कोणी दिसत नव्हते. आता काय करावे मला समजेना. मी माझ्या चालण्याची गती वाढवली. हवेत गारवा पसरलेला असतानाही माझ्या अंगाला घाम फुटला होता आणि अचानक पावसाला सुरुवात झाली. माझ्याकडे छत्री नसल्याने टपोच्या थेंबांचा पाऊस माझ्या अंगावर कोसळत होता. पावसात भिजायला सगळ्यांनाच आवडते पण आज मला मात्र एकटेपणामुळे भीती वाटत होती. मी जलद गतीने घराच्या दिशेने

चालत होतो. तेवढ्यात मला दूरवर एक आजोबा दिसले. मला थोडेसे हायसे वाटले. त्यांच्याजवळ जाताच माझ्या चेहऱ्यावरील भाव पाहून मी घाबरलो आहे हे त्या आजोबांनी ओळखले. त्यांनी मला आपल्या छत्रीखाली घेतले. मी आजोबांना मला घरापर्यंत सोडण्याची विनंती केली. आजोबांनीही माझी गरज ओळखून मला घरापर्यंत आणून सोडले. घरी पोहोचल्यानंतर मला खूपच आनंद झाला.

★प्र.८. (१) पाणी उकळून पिण्यासाठी वापरू. (२) जेवणापूर्वी जेवण गरम करूनच जेवू. (३) अंधोळीनंतर किंवा पावसात भिजल्यानंतर केस ओले न ठेवता टॉवेलने पूर्णपणे कोरडे करू. (४) सर्दी, ताप असे आजार झाल्यास ताबडतोब डॉक्टरांकडे जाऊ. (५) रस्त्यावरील कोणतेही उघडे पदार्थ खाणार नाही. (६) अंगावर घालण्यासाठी ओल्या कपड्यांचा उपयोग करणार नाही.

प्र.९.

|     | शब्दसमूह               | शब्दसमूह                           | शब्दसमूहाचा अर्थ कळतो तो शब्द |
|-----|------------------------|------------------------------------|-------------------------------|
| (१) | मारियाने कुलूप         | मारियाने कुलूप उघडले.              | उघडले.                        |
| (२) | मारियाने दारे, खिडक्या | मारियाने दारे, खिडक्या बंद केल्या. | बंद केल्या.                   |
| (३) | मारिया आईला            | मारिया आईला बिलगली.                | बिलगली.                       |

वरील तक्त्यातील दुसऱ्या शब्दसमूहांत कोणती क्रिया झाली, हे दाखवणारे शब्द दिले आहेत. उदा. उघडले, बंद केल्या, बिलगली या शब्दांमुळे क्रिया सांगणाऱ्या वाक्यांचा अर्थ कळतो. या शब्दांना क्रियापद म्हणतात.

क्रियापद : वाक्याचा अर्थ पूर्ण करणाऱ्या क्रियावाचक शब्दाला क्रियापद असे म्हणतात.

प्र.१०. (१) पक्षी बाहेर आले. (२) मारियाने आकाशाकडे पाहिले.  
 (३) दारावरची बेल वाजली. (४) मारिया पळत दाराकडे गेली.

- प्र.११. (१) मारिया घरी आली. (२) मारिया कविता गुणगुणू लागली.  
 (३) मारियाने दार उघडले. (४) मी चेंडू फेकला.  
 (५) ताई पुस्तक वाचते.

- ★प्र.१२. (१) चंद्र = द्र = द् + र = द्र  
 (२) कैऱ्या = च्या = र् + या = च्या  
 (३) प्राणी = प्रा = प् + र् = प्र  
 (४) महाराष्ट्र = ष्ट्र = ष् + ट् + र् = ष्ट्र  
 (५) पर्वत = र्व = र् + व् = र्व  
 (६) समुद्र = द्र = द् + र् = द्र  
 (७) पऱ्या = च्या = र् + या = च्या  
 (८) प्रकाश = प्र = प् + र् = प्र  
 (९) ट्रक = ट्र = ट् + र् = ट्र

- प्र.१३. (१) टप्टपणारा - पावसाचे थेंब टप्टप पानांवर पडू लागले.  
 (२) मुसळधार - मुसळधार पावसाने घरे वाहून गेली.  
 (३) जोरदार - सकाळपासून जोरदार पावसाच्या सरी कोसळत होत्या.  
 (४) दमदार - जूनमध्ये पावसाचे दमदार आगमन झाले.  
 (५) रिमझिम - दिवसभर रिमझिम पाऊस पडत होता.

## १४. चित्रसंदेश

### स्वाध्याय

- (१) (अ) धूम्रपान करू नये.  
 (ब) चालत्या गाडीतून उतरू नये.  
 (क) स्फोटक वस्तूंची ने-आण करू नये.  
 (ड) बसच्या दरवाजातून अगर खिडकीमधून शरीराचा कोणताही भाग बाहेर काढू नये.  
 (इ) बेवारस वस्तू आढळल्यास त्वरित वाहक / स्थानक प्रमुखांच्या निदर्शनास आणावी. अशा वस्तूंना स्पर्श करू नये.  
 (फ) तिकीट मागून घ्या. विनातिकीट प्रवास करणे गुन्हा आहे.

- (२) (अ) शांतता राखणे.  
 (ब) येथे पार्किंग करण्यास मनाई आहे.  
 (क) कोणत्याही अनोळखी वस्तूला हात लावू नये.  
 (ड) कचरा कचराकुंडीत टाका, परिसर स्वच्छ ठेवा.  
 (इ) परिसरात थुंकू नये.  
 (३) (१) कचरा कचरापेटीतच टाकावा.  
 (२) शाळा हे आपले दुसरे घर. ते स्वच्छ ठेवणे आपली जबाबदारी आहे.  
 (३) स्वच्छ शाळा, सुंदर शाळा.  
 (४) भिंतींवर, बसण्याच्या बाकावर पेनाने लिहू नये.  
 (५) शिक्षकांशी आदराने वागा.  
 (६) वर्गात शांतता ठेवा.  
 ★(४) सार्वजनिक ठिकाणी लिहिलेले सूचना फलक सार्वजनिक हिताच्या दृष्टीने नागरिकांसाठी लिहिलेले असतात. लोकांनी त्या सूचनांचे पालन करून सामाजिक आरोग्य सुरक्षित ठेवावे अशी अपेक्षा असते. परंतु काही लोक या सूचनांप्रमाणे वागत नाहीत कारण त्यांना नैतिक जबाबदारीची जाणीव नसते. आपण केलेल्या चुकीच्या गोष्टींमुळे लोकांच्या आरोग्याला हानी पोहोचेल याचा विचार ते करत नाहीत. होणाऱ्या वाईट परिणामांकडे ते दुर्लक्ष करत असतात. स्वतःबरोबरच इतर लोकांनाही त्यांच्या या चुकीच्या वर्तनाने अनेक समस्यांना तोंड द्यावे लागणार आहे याविषयी त्यांना सामाजिक बांधिलकी नसते.  
 ★(५) (१) स्वच्छतागृह : जसे : स्वच्छता राखा.  
 (२) प्रयोगशाळा : जसे : उपकरणे सांभाळून हाताळावीत.  
 (३) ग्रंथालय : जसे : शांतता राखावी., पुस्तके जागेवर ठेवावीत.  
 (४) पाण्याची व्यवस्था असलेल्या ठिकाणी (वॉश बेसिन) : नळ चालू ठेवू नये.  
 (५) वर्गखोली : शांतता राखा.  
 (६) शाळेचे कार्यालय : शिस्त ठेवणे., आपले म्हणणे शांतपणे सांगा.  
 (७) संगणक कक्ष : कृपया शांतता राखा, शिस्तीचे पालन करा, संगणक कक्षाबाहेर जाताना संगणक बंद करा.



## १५. नदीचे गाणे

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) मंजुळ गाणे नदी गाते.  
(२) गावे नदीच्या तीरावरती वसली आहेत.  
(३) नदीवर शीतल छाया आम्रतरू धरतात.  
(४) नदी जेथे जाईल तेथे आनंदाची मनोहर बाग फुलवेल.

- प्र.२. फुलवेली मज सुमने देती,  
कुठे लव्हाळी खेळत बसती,  
कुठे आम्रतरू माझ्यावरती  
शीतल अपुली छाया धरती.

- प्र.३. (१)-(इ) (२)-(अ) (३)-(आ)

- प्र.४. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

- प्र.५. पर्वतावर उगम पावलेली नदी पुढे पुढे वाहत येत आहे. नदीच्या किनाऱ्यावर काही घरे दिसत आहेत. नदीच्या पात्रामध्ये गुरे पाणी पितांना दिसत आहेत व त्यांच्या पाठीमागे एक माणूस उभा आहे. दोन स्त्रिया नदीच्या पात्रातील पाणी घागरीमध्ये भरून नेताना दिसत आहेत. दोन मुलगे व एक मुलगी नदीच्या पाण्यामध्ये पोहण्याचा आनंद घेत आहेत. आकाशात काही पक्षी उडतानाही दिसत आहेत. नदीच्या आजूबाजूला हिरवीगार झाडे व हिरवळ पसरलेली दिसत आहे.

### ओळखा पाहू

आंबा, पोपट

## १६. मी नदी बोलते .....

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) नदीचा जन्म पर्वतावर होतो.

- (२) पर्वतावरून वाहत येताना अनेक ओढे नदीला येऊन भेटतात व नदी मोठी होते.  
(३) पर्वतउतारावरून सपाट मैदानी भागात वाहत येताच नदीचा वेग कमी होतो.  
(४) नदीच्या पाण्याचा उपयोग लोक वीज निर्मितीसाठी, शेतीसाठी तसेच पिण्यासाठी करतात.  
(५) जीवनप्रवासात अडथळे आले तरी न थांबता सतत पुढे-पुढे जात राहावे. हा संदेश नदी आपल्याला देते.  
(६) कृष्णा, कोयना, गोदावरी, यमुना, तापी, भीमा, तुंगभद्रा, मांजरा, नर्मदा इत्यादी नद्या आहेत.

- प्र.२. (१) चालणे चालतात चालवतात  
(२) पळणे पळतात पळवतात  
(३) भेटणे भेटतात भेटवतात  
(४) करणे करतात करवतात  
(५) मिळणे मिळतात मिळवतात  
(६) थांबणे थांबतात थांबवतात

- प्र.३. (१) काळेकुट्ट / काळेभोर (२) निळेशार (३) पिवळेजर्द / पिवळेधम्मक (४) लालबुंद / लालचुटूक (५) पांढराशुभ्र

- प्र.४. (१) वाचाल तर वाचाल (२) प्रयत्नांती परमेश्वर  
(३) मानवता श्रेष्ठ धर्म आणखी सुवचने विद्यार्थ्यांनी स्वतः जमवा.

- प्र.५. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

- प्र.६. उपक्रम : (१) मुळा, मुठा, इंद्रायणी, भामा, चंद्रभागा, काटेपूर्णा, सोना, मांजरा, प्रवरा, पंचगंगा, पूर्णा, गोमती, मांडवी, पवना, पैनागंगा, बोर्डी, वान, शिवना, भोगावती, गिरणा, कोलार इत्यादी.

- (२) नदीमध्ये कपडे, भांडी, गुरे धुणे टाळावे. नदीमध्ये शौचास जाऊ नये. कचरा नदीच्या पाण्यात न टाकता कचराकुंडीत टाकावा. घरातील, कारखान्यातील सांडपाणी नदीच्या पाण्यात न सोडता त्याची योग्य विल्हेवाट लावावी. वेळोवेळी नदीच्या पाण्याचे शुद्धीकरण करावे.

- (३) घोषवाक्ये :

- (अ) पाणी अडवा, तयार करा तळे, त्यातून फुलवा हिरवेगार मळे.

- (आ) प्रत्येकाचा एकच नारा पाण्याची काटकसर करा!

(इ) बचत पाण्याची, गरज काळाची !

(ई) पाणी वाचवा, जीवन वाचवा !

### पाण्याची बचत :

- प्र.१. (१) बरोबर (२) चूक (३) चूक (४) बरोबर  
(५) चूक (६) बरोबर (७) चूक (८) चूक  
(९) बरोबर (१०) बरोबर

## १७. आमची सहल

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) मुलांची सहल गावच्या आमराईमध्ये गेली होती.  
(२) सहलीला जाताना मुलांनी जेवणाचे डबे, पाण्याच्या बाटल्या व चित्रकलेचे साहित्य सोबत नेले होते.  
(३) जिथे आंब्याची अनेक झाडे लावून ती जोपासलेली असतात, अशा आंब्यांच्या दाट झाडीला आमराई म्हणतात.  
(४) आमराईमध्ये मुले लपाछपी, शिवणापाणी, ऊनसावली हे खेळ खेळली.

प्र.२. लपाछपी, आंधळी कोशिंबीर, तळ्यात मळ्यात, डोंगरपाणी इत्यादी.

प्र.३. आमच्या घरी आंब्यापासून आंबापोळी, आमरस, आंबा बर्फी, आंबा चॉकलेट तर कैरीपासून कैरी पन्हे, कैरीचे लोणचे, मुरांबा इत्यादी पदार्थ बनवतात.

### प्र.४. आमची सहल

सहल सर्वानाच आवडते. दरवर्षी आमच्या शाळेची सहल कोठे न कोठे जात असते. यावर्षी आमची सहल नेहरू विज्ञान केंद्र, वरळी येथे जाण्याचे ठरले. सहलीच्या दिवशी सर्व विद्यार्थी डबा घेऊन सकाळी ७.३० वाजता शाळेत जमले. सहलीला इयत्ता ५ वी चे सर्व विद्यार्थी, ६ शिक्षक व ४ शिपाईही आले होते. बसने नेहरू विज्ञान केंद्राच्या मोठ्या परिसरात आम्ही पोहोचलो. येथे उजव्या बाजूला उद्यान आहे तर डाव्या बाजूला रेल्वेचे वाफेचे इंजिन आहे तसेच हवाई दलाचे विमान आहे. विविध शास्त्रज्ञांचे अर्धपुतळे आहेत. प्रत्येक मजल्यावर वेगवेगळे हॉल होते. एका दालनात तारांगण, आकाशदर्शन असे शो

आम्हांला पहायला मिळाले. एका हॉलमध्ये मानवी शरीररचना ही फिल्म आम्हांला दाखवली त्यामुळे आम्हांला खूप माहिती मिळाली. दुसऱ्या मजल्यावरील हॉलमध्ये ३ D शो होता. विशिष्ट प्रकारचा चष्मा घालून हा शो पहावा लागला. वेगवेगळ्या सरपटणाऱ्या प्राण्यांची माहिती या फिल्ममधून आम्हांला मिळाली. दुसरा शो पाहताना तर खूप धमाल आली. येथे खुर्चीला टेकून बसल्यावर आम्ही आडवेच झालो. डोक्यावर सुरू झालेली फिल्म पाहू लागलो. ही फिल्म पाहताना प्रत्येक ठिकाणी आपणच आहोत असे वाटत होते. बर्फाळ शिखरांची माहिती येथे देण्यात आली. संध्याकाळी सर्व विद्यार्थी विज्ञान केंद्र पाहून बाहेर पडलो. विज्ञानाची खूप माहिती आम्हांला मिळाली होती. गाणी म्हणत, धमाल करत बस कधी शाळेत आली समजलेच नाही.

प्र.५. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

प्र.६. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

## १८. पैशांचे व्यवहार

### स्वाध्याय

प्र.१. बँक, मंडई, (भाजी मार्केट) दूरध्वनी केंद्र, वीज देयक केंद्र, पोस्ट ऑफीस, कपड्यांचे दुकान, किरणा मालाचे दुकान, चपलांचे दुकान, सोनाराचे दुकान.

प्र.२. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

प्र.३. (१) कर्ज देणे. (२) चेक वटवणे.

प्र.४. (१) - (इ) (२) - (अ) (३) - (आ)

प्र.५.



किंमत रु. ५५,



किंमत रु. ७०,



किंमत रु. ३५,



किंमत रु. ६५०,



किंमत रु. २५०,



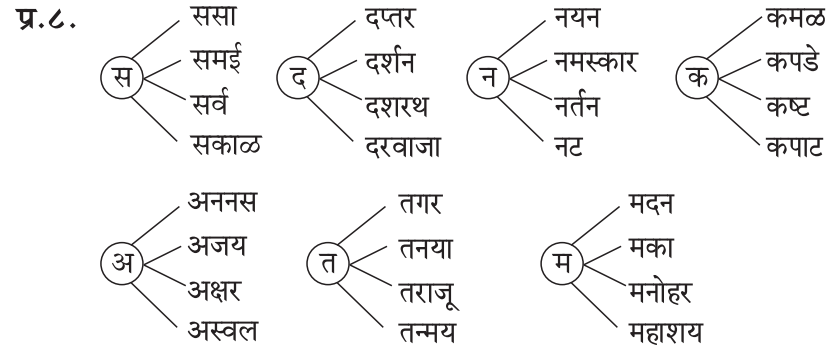
किंमत रु. ४००



- प्र.६. (१) ☒ (२) ☒ (३) ☒ (४) ☒  
 (५) ☒ (६) ☒ (७) ☒ (८) ☒  
 (९) ☒ (१०) ☒ (११) ☒ (१२) ☒

प्र.७. **भाज्यांची यादी** - गवार, हिरवा वाटाणा, कांदे, बटाटे, टोमॅटो, वांगी, फ्लॉवर, कोबी, लाल भोपळा, सुरण, शिराळे, भेंडी, सिमला मिरची, आले, मिरची-कोथिंबीर, घेवडा, पालेभाज्यांमध्ये अळू, चुका, मेथी, पालक, चवळी, लाल माठ, मका, शेवग्याच्या शेंगा, दुधी, पडवळ, तोंडली, काकडी, गाजर, मुळा, विविध फळे भाजी मंडईत विक्रीसाठी असतात.

**भाजी मंडई** - भाजी मंडईमध्ये वेगवेगळ्या भाज्या घेऊन भाजीवाले विकायला बसलेले असतात. भाज्यांचे विविध रंग व आकार पाहून मन तृप्त होते. भाजीवाले आपल्या भाज्यांचा दर ओरडून सांगत असतात आणि लोकांना भाजी घेण्यासाठी बोलावत असतात. भाजी मंडईत ताज्या आणि अनेक रंगांच्या भाज्या पाहून कोणती घ्यावी कोणती नको असे होते. अनेक लोक भाज्यांचा दर कमी करून भाजी घेण्यासाठी भाजीवाल्याबरोबर घासाघीस करत असतात. लोकांची खूप गर्दी असते. अनेक ओळखीची माणसे भेटतात. गप्पा मारणारे सुद्धा बरेच असतात.



## ११. अनुभव - २

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) शाळा सुटल्यावर मुलगा घरी जायला निघाला. वाटेत त्याला त्याची आई दिसली. तिच्या हातात दोन मोठ्या पिशव्या होत्या. त्या खूप जड असाव्यात, असे तिच्याकडे पाहून त्याला जाणवले. तिच्या हातातील पिशवी घेऊन तिला मदत करण्यासाठी मुलगा आईला पाहताच तिच्याकडे धावत गेला.
- (२) आईने बाजारात जाऊन महिनाभराचे किराणा सामान दोन पिशव्यात भरून आणले होते. आईला मदत करण्यासाठी मुलाने आईच्या हातातील एक पिशवी घेतली. एक पिशवी हातात धरल्यावर मुलाला समजले की त्या जड पिशव्यांच्या ओझ्यामुळे आईचे हात लालेलाल झाले होते.
- (३) आई दोन पिशव्या भरून सामान बाजारातून आणत होती. वाटेत तिला मुलगा भेटला. त्याने आईच्या हातातील एक पिशवी घेतली. त्यामुळे आईला थोडी मदत झाली. दर महिन्याला आई अशाच पिशव्या भरून सामान आणत असे. एवढं ओझं ती एकटीच घेऊन येत असे. आज मुलाने आईला सामान आणण्यास मदत केली. त्यामुळे आईचे काम थोडे हलके झाले म्हणून आईला बरे वाटले.
- (४) आई दर महिन्याला किराणा सामानाने भरलेल्या पिशव्या एकटीच घेऊन येत असे. आज मुलाने आईच्या हातातील एक पिशवी घेतल्याने त्या खूप जड असतात व त्या आणताना आई खूप दमते हे मुलाला समजले. आईला मदत व्हावी म्हणून ज्या दिवशी शाळेला सुट्टी असते, त्याच दिवशी आपण किराणा सामान आणायला जात जाऊ म्हणजे आईही दमणार नाही व मुलाचेही व्यवहारज्ञान वाढेल म्हणून मुलाने किराणा सामान शाळेला सुट्टी असते त्या दिवशी आणायचे ठरवले.

- प्र.२. पाठवणी - पाठ यजमान - मान  
 आगबोट - बोट तोंडपाठ - तोंड, पाठ  
 पोटपूजा - पोट पायपुसणी - पाय  
 गालबोट - गाल, बोट नाकतोडा - नाक

प्र.३. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

प्र.४. (अ) छोटे, लहान (आ) रडणे (इ) हलके  
(ई) वर (उ) येणे (ऊ) भरणे

प्र.५. (अ) सामानाला - सामान, नाला, मासा, माला  
(आ) बाजारात - बाजार, रात, राजा, बाजा, बारा, जात  
(इ) चाललीस - चालली, सलील, चाल, सल  
(ई) मनापासून - मन, सून, पासून, पान, नाम, नासून

प्र.६. मी वाळलेल्या कपड्यांच्या घड्या घालते. आईने घरातील एखादी वस्तू मागितली तर ती नेऊन देते. जेवायला बसण्याआधी ताट, वाटी, तांब्या, ग्लास नेऊन ठेवते. कचरा काढते. कोथिंबीर निवडते. लसूण, वाटाणे सोलून देते. छोट्या भावाचा अभ्यास घेते. त्याला सांभाळते. मी कपडे वाळत घालायला मदत करू शकेन. लादी पुसू शकेन. आईला कपाट लावायला मदत करू शकते. बिल्डिंगच्या आवारात असलेल्या दुकानातून वस्तू आणून देऊ शकते इत्यादी.

प्र.७. घराजवळील किरणामालाच्या दुकानातील वस्तूंची यादी : गहू, तांदूळ, ज्वारी, बाजरी, नाचणी, तूरडाळ, मुगडाळ, मसूरडाळ, हिरवे वाटाणे, पांढरे वाटाणे, चवळी, मुग, मटकी, काबुली चणे, हरभरा, वाल, राजमा, साखर, चहापावडर, गोडेतेल, खोबरेल तेल, मसाला, हळद, सॉसची पॅकेटे / बाटल्या, राई, जिरे, हिंग, नूडल्स पॅकेट, बिस्कीटे, तूप, पोहे, रवा, गूळ, चॉकलेट्स, साबण, टूथब्रश, कोलगेट इत्यादी.

प्र.८. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

प्र.९. (१) संजू लवकर उठतो  
(२) गोगलगाय हळूहळू चालते.  
(३) हा बंगला नेहमी बंद असतो.  
(४) शाळा वेळेवर भरते.  
(५) यावर्षी खूप थंडी पडली.

२०. गमतीदार पत्र

स्वाध्याय

प्र.१. (१) पत्र मायाच्या काकांनी पाठवले.  
(२) पत्र मायाला पाठवले.  
(३) काकांनी लिंबाच्या रसाने पत्र लिहिले होते, रस सुकल्यावर कागद कोरा दिसत होता म्हणून मायाला पत्र वाचता आले नाही.

प्र.२. (१) माया (२) रेश्मा

प्र.३. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

प्र.४. (१) तू जेवण केलेस का ?  
(२) हे ऐकून तुला आनंद झाला का ?  
(३) मी, आई, बाबा, राजू, पिकी बाजारात गेलो.  
(४) सुशांत, रघू, राजेश हे चांगले मित्र आहेत.  
(५) रमेश, सीता, अनिता, गणेश हे सर्वजण दररोज बागेत खेळतात.  
(६) मी संगणक सुरू केला. मामाचा ई-मेल वाचला. काय म्हणतो मामा ? कधी येणार आहे तो घरी ? आईने विचारले, मामा चार दिवसांनी येणार होता. आम्ही आनंदित झालो.

२१. छोट्या बहीणभाऊ

स्वाध्याय

प्र.१. (१) छोट्या बहीणभाऊ उद्याच्या जंगाला, उद्याच्या युगाला नवीन आकार देणार आहेत.  
(२) छोट्या बहीणभाऊ शेतांना, मळ्यांना, फुलांना, फळांना नवीन बहार देणार आहेत.  
(३) छोट्या बहीणभाऊ मोकळ्या आभाळी जाऊन मोकळ्या गळ्याने गाणी गाणार आहेत.  
(४) छोट्या बहीणभाऊ उद्याला मोठे होणार आहेत.

- प्र.२. (१) भगिनी (२) बंधू (३) नूतन  
(४) पुष्प, सुमन (५) मृत्यू (६) पोषाख (७) आकाश, नभ
- प्र.३. (१) मोठे (२) जुने (३) कुरूप (४) द्वेष  
(५) मृत्यू (६) दुःख (७) भरलेल्या (८) अनेक

## २२. वाचूया, लिहूया.

### स्वाध्याय

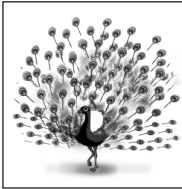
#### (१) फूल, रंग, वास, राजा, उपयोग, व्यवसाय

गुलाबाला 'फुलांचा राजा' म्हणतात. गुलाब अनेक रंगांचे असतात. गुलाबी, पिवळे, सफेद अशा अनेक रंगांचे गुलाब आपल्याला पाहायला मिळतात. 'काश्मिरी गुलाब' सर्वात जास्त प्रसिद्ध आहे. गुलाबाचे फूल सुगंधी असते. म्हणूनच गुलाबाच्या पाकळ्यांचा उपयोग करून सुगंधी असे अत्तर बनवितात. बऱ्याच कार्यक्रमांमध्ये गुलाबाच्या फुलांचा उपयोग करून सजावट करतात. गुलाबाचे फूल स्त्रिया आपल्या केसात माळतात त्यामुळे स्त्रियांच्या केसांची शोभा वाढते. पुष्पगुच्छ बनविण्यासाठी गुलाबाच्या फुलांचा उपयोग करतात. अनेक लोक गुलाबाच्या फुलांची शेती करून आपली उपजीविका करतात. काही लोक फक्त गुलाबाची फुले विकण्याचा व्यवसाय करतात. खरोखरच काटेरी रोपावर फुलणारे हे फूल म्हणजे निसर्गाचा एक चमत्कारच आहे.



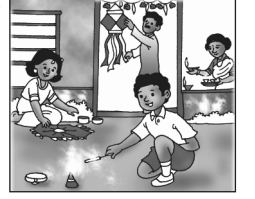
#### (२) पक्षी, रंग, आवाज, पिसे, नाच, अन्न

मला मोर खूप आवडतो, तो खूप सुंदर दिसतो. त्याचा रंगीबेरंगी पिसारा पाहत राहवेसे वाटते. मोर आपला राष्ट्रीय पक्षी आहे. मोराचा रंग खूप सुंदर असतो. पाऊस पडण्याअगोदर मोर आपला सुंदर पिसारा फुलवून नाचू लागतो व के-के असा आवाज करत ओरडतो. मोराच्या या ओरडण्यास केका असे म्हणतात. मोराची पिसे खूप सुंदर असतात. मुकुट वगैरे तयार करताना या पिसांचा उपयोग करतात. मोर छान असे नृत्य करतो. मोर, किडे, कीटक, खाऊन आपले पोट भरतो.



#### (३) सण, फराळ, दिव्यांची रोषणाई, फटाके, नवीन कपडे, रांगोळी, नातेवाईक एकत्र, उत्साहाचे वातावरण.

भारतात अनेक सण साजरे केले जातात. माझा आवडता सण दिवाळी आहे. दिवाळीत घरी करंजी, चकल्या, चिवडा असे फराळ बनविले जातात. फराळाची नातेवाईकांमध्ये, शेजाऱ्यांमध्ये देवाणघेवाण करतात. दिवाळी हा दिव्यांचा सण आहे. दारात कंदील लावला जातो. सगळीकडे दिव्यांची रोषणाई असते. रात्रीच्या वेळी फटाके फोडले जातात. लहानांपासून मोठ्यांपर्यंत सर्वजण फटाके फोडण्यात उत्साहाने सहभागी होतात. घरातील सगळ्यांसाठी नवीन कपड्यांची खरेदी केली जाते. दारात छान अशी रांगोळी काढली जाते. दिवाळीच्या एकमेकांना शुभेच्छा देण्यासाठी सर्व नातेवाईक एका ठिकाणी गोळा होतात. सगळीकडे उत्साहाचे वातावरण असते म्हणून मला दिवाळी हा सण सर्वात जास्त आवडतो.



#### (४) उद्यान, घसरगुंडी, झोपाळे, हिरवीगार झाडे, फुले, हिरवळ.

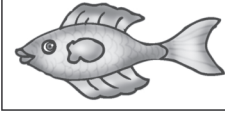
लोकांना विरंगुळा मिळावा म्हणून उद्याने तयार केलेली असतात. लहानांपासून मोठ्यांपर्यंत सर्वजण आपला वेळ घालवण्यासाठी उद्यानात येतात. लहान मुलांना खेळण्यासाठी झोपाळे, घसरगुंडी अशी खेळांची साधने असतात. उद्यानात चोहोकडे हिरवीगार झाडे असतात. वेगवेगळ्या प्रकारची फुलझाडेही असतात. फुलांचा सुगंध येणाऱ्या प्रत्येकाचे मन प्रसन्न करतो. उद्यानात छान अशी हिरवळ तयार केलेली असते. या हिरवळीवर बसून लोक गप्पा मारतात. बसण्यासाठी बाकांचीही व्यवस्था केलेली असते. शहरात अशा सुंदर उद्यानांची संख्या जास्त आहे.



#### (५) सायकलीवर बसून शाळेत, बाजारात, बागेत जायला आवडेल. मी दर आठवड्याला सायकल धुवेन. सायकल धुताना सीटवर प्लॅस्टिकचे कव्हर घालेन. सायकलच्या चेनमध्ये तेल घालेन. नियमितपणे सायकलची काळजी घेईन. अधिक माहिती विद्यार्थ्यांनी लिहावी.



- (६) फिशटँकमध्ये लायन फिश, बटरफ्लाय फिश, एंजल फिश अशा प्रकारचे मासे बरेचजण ठेवतात.



टँकची योग्य काळजी घेणे. माशांना खाऊ घालणे. टँकमधील पाणी स्वच्छ ठेवणे त्याकरता ते सतत बदलायला हवे. अधिक माहिती विद्यार्थ्यांनी मिळवा.

## २३. प्रामाणिक इस्त्रीवाला

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) शिवानी. (२) शिवानीचा भाऊ शिवराज.  
(३) शिवानीचे बाबा. (४) दामूकाका.  
(५) शिवानीची आई. (६) शिवानीचे बाबा.

- प्र.२. (१) असे शिवानीची आई शिवानीला म्हणाली.  
(२) असे शिवानीच्या आईने दामूकाकांना विचारले.  
(३) असे शिवानीचे बाबा दामूकाकांना म्हणाले.  
(४) असे दामूकाका शिवानीच्या बाबांना म्हणाले.

- प्र.३. प्रेमळपणा, वेडेपणा, विसराळूपणा, भोळेपणा.

- प्र.४. रिश्तावाले, भाजीवाले, फळवाले, झाडूवाले

- प्र.५. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

| वाक्ये                          | क्रिया | क्रिया करणारी व्यक्ती |        |     |
|---------------------------------|--------|-----------------------|--------|-----|
|                                 |        | पुरुष                 | स्त्री | इतर |
| शिवानी पाचवीत शिकते.            | शिकते  |                       | ✓      |     |
| आईने पैसे मोजले.                | मोजले  |                       | ✓      |     |
| भाऊने कपड्यांच्या घड्या केल्या. | केल्या | ✓                     |        |     |
| बाबांनी आईला पैसे दिले.         | दिले   | ✓                     |        |     |
| दामूकाकांनी खिशातून पैसे काढले. | काढले  | ✓                     |        |     |
| पिलू घरट्यात बसले               | बसले   |                       |        | ✓   |

प्र.७.

| वाक्ये               | क्रिया | क्रिया करणारी व्यक्ती |        |     |
|----------------------|--------|-----------------------|--------|-----|
|                      |        | पुरुष                 | स्त्री | इतर |
| कावळा झाडावर राहतो.  | राहतो  | ✓                     |        |     |
| रेशमाने पत्र वाचले.  | वाचले  |                       | ✓      |     |
| पोस्टमनने पत्र दिले. | दिले   | ✓                     |        |     |
| मायाने पाकीट उघडले.  | उघडले  |                       |        | ✓   |
| मायाने दार उघडले.    | उघडले  |                       |        | ✓   |

- ★प्र.८. (१) बैल, क्रियापद – खातो (२) रमेश, क्रियापद – वाचतो.  
(३) रमा, क्रियापद – लिहिते. (४) गाय, क्रियापद – खाते.  
(५) फूल, क्रियापद – आहे. (६) घर, क्रियापद – आहे.

- ★प्र.९. (१) वाचतो (२) म्हणते (३) आहे (४) आहे

- ★प्र.१०. झाड, झाडू, विमान, वाट, वार, विळी, माकड, मान, माळी, माळ, मडके, पंखा, पाट, पारध, पाप, पार, परी, पान, पतंग, कप, कणीस, कळप, कपाट, केस, कळ, कमान, कळी, करीम, गाय, गाजर, गादी, हवा, सरी, सम, सर, खारीक, खारी, नळ, नट, नदी, नर, ऊस, टरबूज, बासरी, रस, रवा, दीर, दीप.

## २४. ऐका. पाहा. करा.

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) आम्ही सशाचा मुखवटा तयार केला. त्यासाठी एक पांढऱ्या रंगाचा कार्डपेपर, एक गुलाबी रंगाचा कार्डपेपर, एक काळ्या रंगाचा कागद, गोंद, कात्री, पेन्सिल, इलॉस्टिक, सुई इत्यादी साहित्य घेतले.

१. मुखवटा बनवण्यासाठी पांढऱ्या कार्डपेपरच्या मागील भागावर पेन्सिलने सशाचा मुखवटा काढून घेतला. २. रंगीत गुलाबी कार्डपेपरवर सशाचे कान, नाक, तोंड, डोळे असे आकार कात्रीच्या साहाय्याने कापून

घेतले आणि काळ्या कागदाच्या रंगाच्या मिशा कापून घेतल्या. ३. पांढऱ्या कार्डपेपरवर काढलेल्या मुखवट्यावर फेव्हिकॉल लावून डोळ्यांच्या जागी डोळे, कानाच्या जागी कान, नाक, तोंड यांचे कापलेले आकार चिकटवले. ४. डोळ्यांना सुईने दोन छिद्रे पाडली. ५. मिश्यांचा कापलेला आकार मिश्यांच्या काढलेल्या चित्रावर लावला. ६. मुखवट्याच्या दोन्ही बाजूंना सुईने छिद्रे पाडून त्यातून इलॅस्टिक घातले आणि गाठ बांधली. अशा तऱ्हेने आमचा सशाचा मुखवटा तयार झाला.

(२) विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

## २५. मालतीची चतुराई

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) मलण्णाने शेतातून घरी आल्यावर दोन्ही बैलांना गोठ्यात बांधले. त्यांना चारा, पाणी देऊन स्वतःही हातपाय धुतले. मालतीने केलेली भाजीभाकरी खाऊन मलण्णा अंधरुणावर पडला. शेतात काम करून थकल्यामुळे त्याला पटकन झोप आली. सकाळी लवकर उठून मलण्णा बाहेर आला. पाहतो तर काय गोठ्यात एकच बैल दुसरा बैल गायब होता. त्याने पत्नी मालतीला विचारले, “अगं गोठ्यात एकच बैल आहे. आपला दुसरा बैल कुठे गेला?” मालती झटकन बाहेर आली व तिनेही पाहिले. की खरोखरच गोठ्यात एकच बैल होता. दुसरा बैल रातोरात गायब कसा झाला? या गोष्टीचे मालतीला नवल वाटले.
- (२) मलण्णा व मालतीने गावात हरवलेल्या दुसऱ्या बैलाचा शोध सुरू केला. गावभर शोध घेतला. पण बैल काही सापडला नाही. दोघेही थकून गेले. आता काय करावे? बैल कोठे गेला असेल? एकच बैल, शेती कशी करायची? असे अनेक विचार मलण्णाच्या मनात आले व या काळजीने तो डोक्याला हात लावून बसला.
- (३) तालुक्याच्या बाजारात आपल्या बैलाच्या जोडीला जोड असा बैल शोधत मलण्णा व मालती बाजारात फिरत असताना मालतीला त्यांचा हरवलेला बैल दिसला. ते दोघेही बैलाजवळ पोहचले. “हा आमचा बैल!” असे म्हणत मालतीने बैलाला अंजारले-गोंजारले, त्यानंतर “या

माणसाने आमचा बैल चोरला” असा आरडाओरडा तिने सुरू केला. आता आपली चोरी पकडली जाणार म्हणून बैल चोरणारा माणूस मनातून घाबरला.

- (४) “या माणसाने आमचा बैल चोरला.” असा मालतीने आरडाओरडा सुरू करताच बैल चोरणारा माणूस मनातून घाबरला. पण तसे न दाखवता तो मालतीशी भांडू लागला. “तुमचा बैल मी कशाला घेऊ? हा माझाच बैल आहे. मीच याला लहानाचा मोठा केला आहे.” असा तो कांगावा करू लागला. बैलाभोवती लोकांची गर्दी जमली. हे सर्व पाहून मालतीच्या लक्षात आले की, हा चोर आपला बैल सहजासहजी देणार नाही. बैल परत मिळविण्यासाठी काहीतरी केले पाहिजे म्हणून मालतीने युक्ती करायचे ठरवले.
- (५) बैल चोरणारा जेव्हा हा आपलाच बैल आहे असे म्हणून मालतीशी भांडू लागला. तेव्हा मालतीच्या लक्षात आले. हा चोर आपला बैल सहजासहजी देणार नाही. म्हणून तिने झटकन बैलाच्या डोळ्यांवर हात धरला. “सांग बरं, याचा कोणता डोळा अधू आहे, डावा की उजवा?” असे मालतीने चोराला विचारले. चोर गोंधळला आणि म्हणाला, “माझ्या बैलाचा डावा डोळा अधू आहे. नक्की ना? बैलाचा डावा डोळा अधू असेल, तर बैल तुझा नाही तर तो माझा आहे.” असे मालतीने म्हणताच चोराच्या मनात गोंधळ निर्माण झाला. या स्त्रीच्या बोलण्यावरून बैलाचा डावा डोळा अधू नसावा. परत तो म्हणाला. “नाही, नाही माझा बैल उजव्या डोळ्यांनं अधू आहे.” हे ऐकताच मालतीने बैलाच्या डोळ्यांवरचा हात बाजूला केला. अशी युक्ती मालतीने बैल परत मिळविण्यासाठी केली.
- (६) बैल परत मिळविण्यासाठी मालतीने एक युक्ती केली. बैलाच्या डोळ्यांवर हात ठेवून चोराला बैल कोणत्या डोळ्याने अधू आहे. असे विचारले. चोराने माझा बैल डाव्या डोळ्यांनं अधू आहे. असे सांगितले. मालतीने जर बैल डाव्या डोळ्यांनं अधू असेल तर तुझा नाही तर माझा असे सांगितले. मालतीच्या या बोलण्यावरून बैल डाव्या डोळ्याने अधू नसावा म्हणून चोराने आपले उत्तर बदलून “माझा बैल उजव्या डोळ्यांनं अधू आहे.” असे दिले. तेव्हा मालतीने बैलाच्या डोळ्यांवरचा हात बाजूला केला आणि म्हणाली, “अरे चोरा, या बैलाचे दोन्ही डोळे चांगले आहेत.” खरोखरच बैलाचे दोन्ही डोळे व्यवस्थित होते. आता आपली चोरी पकडली जाणार म्हणून चोराची भंबेरी उडाली.



- प्र.२. (१) झटकन (२) नांगरणी (३) हरवलेला (४) गर्दी (५) चतुराईचे
- प्र.३. मटकन, चटकन, कटकन, तडकन, गपकन.
- प्र.४. (१) आरडाओरडा - “या माणसाने आमचा बैल चोरला,” असे म्हणत तिने आरडाओरडा करायला सुरुवात केली.
- (२) सहजासहजी - हा चोर आपला बैल सहजासहजी देणार नाही.
- प्र.५. (१) विक्री (२) मोठा (३) उजवा (४) बाहेर
- प्र.६. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

## २६. पतंग

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) सूर्य मावळण्याच्या वेळेस ढगांवर लाल पिवळसर रंग दिसतो.  
(२) पतंग पाखरांसारखे तरंगतात.
- प्र.२. (१) उतरणे (२) सोडणे (३) उगवणे  
(४) कठोर (५) वाईट (६) सावकाश
- प्र.३. (१) काळसर (२) निळसर (३) लालसर
- प्र.४. जशी पाखरे आभाळात,  
पंख पसरुनी तरंगतात,  
दिसतिल तैसे पतंग रंगित,  
खेळ किती चांगला !
- ★प्र.५. (१) कबड्डी (२) खो-खो (३) क्रिकेट (४) हॉकी (५) फुटबॉल
- ★प्र.६. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.
- ★प्र.७. (१) पळापळ, रडारड, पडापड, धडाधड, भराभर, समोरासमोर इ.  
(२) मऊमऊ, वरवर, कळकळ, हळहळ, सळसळ, गरगर, वळवळ, खळखळ, वटवट, कटकट इ.  
(३) रडतखडत, हसतखेळत, वाजतगाजत, बारीकसारीक, आडवातिडवा, उरलासुरला, दगडबिगड, गोडधोड इ.

- ★प्र.८. (१) मजेचा, नदीकाठचा (२) भराभर, वाऱ्यावर  
(३) ओढुनि, चढुनी (४) तरंगतात, रंगित
- प्र.९. (१) चेंडू उचलणे.
- वाक्ये - १. मी चेंडू उचलला २. सोहमने चेंडू उचलला.  
(२) चेंडू उडवणे.
- वाक्ये - १. तो चेंडू उडवतो. २. मानसी चेंडू उडवते.  
(३) चेंडू पकडणे.
- वाक्ये - १. अथर्व चेंडू पकडतो २. सायली चेंडू पकडते.  
(४) चेंडू विकत घेणे.
- वाक्ये - १. आकाशने चेंडू विकत घेतला.  
२. आरतीने चेंडू विकत घेतला.  
(५) चेंडू विकणे.
- वाक्ये - १. सागर चेंडू विकतो. २. सारा चेंडू विकते.  
(६) चेंडू फेकणे.
- वाक्ये - १. मानसने चेंडू फेकला. २. मानसीने चेंडू फेकला.  
(७) चेंडू टाकणे.
- वाक्ये - १. विहंग चेंडू टाकतो. २. विधी चेंडू टाकते.

## २७. महर्षी विठ्ठल रामजी शिंदे

### स्वाध्याय

- प्र.१. (१) विठ्ठलचा जन्म जमखंडी गावी झाला.  
(२) विठ्ठल हुतुतू, खो-खो, सुरपारंब्या यांसारखे खेळ खेळत असे.  
(३) विठ्ठलच्या आजोबांनी दुष्काळाच्या वेळी गोरगरिबांना मक्याचे दाणे वाटून मदत केली.  
(४) महर्षी विठ्ठल रामजी शिंदे यांनी आयुष्यभर समाजसुधारणेचे कार्य केले.

प्र.२. (१) तो आजोबांबरोबर गोरगरिबांना मक्याचे दाणे वाटत असे. ☒

(२) विठ्ठलने जेवणाचे ताटच त्या भुकेलेल्या माणसाला दिले. ☒

प्र.३. (१) मृत्यू (२) नावड (३) कंजूस (४) अयोग्य

प्र.४. (१) डोंगर पर्वतापेक्षा लहान आहे.

(२) हरवलेला चेंडू सापडल्याने मला खूप आनंद झाला.

(३) ससा हा प्राणी भिन्ना असतो.

(४) राजूला घट्ट कपडे आवडत नाहीत. (५) वीणा सावकाश चालते.

प्र.५. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

प्र.६. हो, आमच्या बाजूच्या इमारतीत दामोदर काका राहतात. ते सेवानिवृत्त आहेत. ते नेहमीच अनेक लोकांच्या संकटाच्या काळात मदतीला धावून येतात. गरजू मुलांना ते वह्या-पुस्तके देतात. एखाद्या विद्यार्थ्याला शाळेची किंवा क्लासची फी भरणे शक्य नसेल तर त्याची फीसुद्धा ते देतात कारण पैशाअभावी त्याचे शिक्षण थांबू नये असे त्यांना वाटते. एखाद्या आजारी व्यक्तीकडे औषधांसाठी पैसे नसतील तर ते त्यांनाही मदत करतात. आता कोरोनाच्या संकटकाळात आमच्या इमारतीतील अनेक लोकांच्या नोकऱ्या गेल्या. काही लोकांना पुरेसे वेतनही मिळाले नाही अशा वेळी त्यांच्या कुटुंबांना अन्नधान्यासारख्या जीवनावश्यक वस्तूंची मदतही त्यांनी केली. चांगल्या कार्यासाठी प्रत्येकाने प्रयत्न केले पाहिजेत. स्वतःसाठी जगण्यापेक्षा दुसऱ्यांसाठी जगा असे त्यांचे तत्त्व आहे.

प्र.७. विद्यार्थ्यांनी स्वतः कृती करा.

## २८. फुलपाखरू आणि मधमाशी

### स्वाध्याय

प्र.१. (१) फुलपाखरू (२) मधमाशी (३) कारंजे

प्र.२. (१) -(इ) (२) -(अ) (३) -(ई) (४) -(आ)

प्र.३. सूर्योदय, सूर्यास्त, खळखळ वाहणारी नदी, हिरवे-निळे डोंगर, रंगीबेरंगी फुले, फुलपाखरे, चिमुकले शुभ्र झरे निसर्गातल्या अशा अनेक गोष्टी पाहिल्यानंतर आनंद होतो.

प्र.४. बघ, पण, मन, तर, धन इ.

प्र.५. चमक - चमकदार दुकान - दुकानदार

माल - मालदार चोप - चोपदार

भाल - भालदार खास - खासदार

आम - आमदार गमती - गमतीदार

रुबाब - रुबाबदार वजन - वजनदार

★प्र.६. (१) चांगुलपणा - रामरावांचा चांगुलपणा साऱ्या गावाला माहीत होता.

(२) मोठेपणा - काही लोकांना उगाचच मोठेपणा करायची सवय असते.

(३) लहानपणा - संत तुकारामांनी देवाकडे लहानपणा मागितला आहे.

(४) वेगळेपणा - सगळ्या मुलांत त्याचा वेगळेपणा उठून दिसत होता.

(५) मोकळेपणा - शेजारच्या काकू नसल्या की आमच्या खेळण्यात मोकळेपणा येतो.

(६) सोपेपणा - प्रश्नांचा सोपेपणा बघून आम्ही मुले खुश झालो.

(७) कठीणपणा - त्यांच्या साध्या साध्या प्रश्नांमध्येपण कठीणपणा होता.

उपक्रम : विद्यार्थ्यांनी स्वतः करा.

ओळखा पाहू !

उत्तर: जिराफ

प्र.७. एक × अनेक, जिंकणे × हारणे, वर × खाली,

लहान × मोठा, प्रश्न × उत्तर, गडद × फिकट

प्र.८. पुरणपोळी, गोडधोड, खाऊनपिऊन, इकडेतिकडे, कामधाम